ANAND KUMAR SINGH

0832947

[redacted]

Mentorship Program 2021

Day 1 - Test 1

1. आप भारत जैसे विकासशील देश में सिविल सेवाओं की भूमिका का विश्लेषण किस प्रकार करते हैं?
2. भारत में सिविल सेवकों के लिये आचार संहिता की आवश्यकता का परीक्षण कीजिये।
3. औद्योगिकीकरण और उपनिवेशीकरण दुनिया भर में ब्रिटिश वर्चस्व स्थापित करने में एक दूसरे के पूरक थे। विश्लेषण कीजिये?
4. वामपंथी उग्रवाद (LWE) देश की आंतरिक सुरक्षा के लिये एक बड़ा खतरा बना हुआ है। स्पष्ट करें? साथ ही, इस मुद्दे के समाधान के लिये सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न उपायों पर चर्चा करें।

19/40

Very Good

E-97

(1) → दृष्टिकोण → ① - सिविल सेवा की भूमिका / समस्या
② - सकारात्मक भूमिका
③ - नकारात्मक भूमिका
④ - आगे का रास्ता

→ वेबरीय मॉडल पर आधारित भारतीय नौकरशाही को सरदार पटेल ने भारत का स्टील फ्रेमवर्क कहा था।

सिविल सेवा प्रशासन व जनता के मध्य कड़ी का काम करती है।

सकारात्मक भूमिका →

① - यह जनता तक योजनाओं को लागू करवाती है

② - यह उच्च राजनीतिक कर्ता को सलाह देती है

③ - यह जनता के मध्य जागरूकता उत्पन्न करती है

④ - यह नीतियों कार्यान्वित करने में सहायता प्रदान करती है

⑤ - यह आपदा प्रबंधन में भूमिका निभाती है

⑥ - यह सुशासन तथा लोकतंत्र का विकास सुनिश्चित करने में मदद करती है

नकारात्मक -

1- यह भारत जैसे विकासशील देश में बदलाव की प्रतिरोधक बनकर आती है

2- यह Role Based के बजाए Rule Based मॉडल पर काम करती है

3- यह सामन्ती या अभिजातीय रवैये को प्रदर्शित करती है

4- यह भ्रष्ट व अक्षम है

5. यहां सम्मानकों की भरमार है

परन्तु भारत सरकार पार्श्व प्रवेश तथा मिशन कर्मयोगी के तहत भारतीय सिविल सेवा को अधिक उत्पादक, संवेदनशील व अनुक्रियावादी बना रही है

05/10

विषयवस्तु के स्तर पर प्रयास अच्छा है।

प्रस्तुतीकरण भी ठीक है।

(4) - दृष्टिकोण → (1) आचार संहिता क्या है

(2) - सिविल सेवा में व्याप्त कमियां

(3) - आचार संहिता का प्रभाव

4 - आगे की राह।

~~भारत में सिविल सेवा सुशासन तथा भागीदारी पूर्ण शासन का आधार है~~

सिविल सेवा में आचार संहिता का मतलब कर्तव्यों के क्षेत्र से है जहां पर क्या करना है (DO's) और क्या नहीं करना है (Don't) का उल्लेख होता है

चूंकि भारतीय सिविल सेवा में आज अनेक कमियां व्याप्त है -

1 - यह भ्रष्ट है (NRHM घोटाला)

(2) - यह असंवेदन शील है। (मुमिलजाव हिं[illegible])

(3) - सिविल सेवा यथास्थिति वादी है

(4) - यह समावेशी नहीं है

(5) - इसका चरित्र सामन्ती तथा अभिजातीय है

इस प्रकार से आचार संहिता का कोडीफिकेशन तथा इनको लागू करना सिविल सेवा के चरित्र में वांछित बदलाव ला सकते है

उपर्युक्त कमियों को दूर करने के लिए सिविल सेवको के लिए आचार संहिता की आवश्यकता है जिसके निम्न प्रभाव होंगे -

इस प्रकार प्रश्न से जोड़ते हुए लिखें तो ज्यादा बेहतर होगा।

प्रभाव

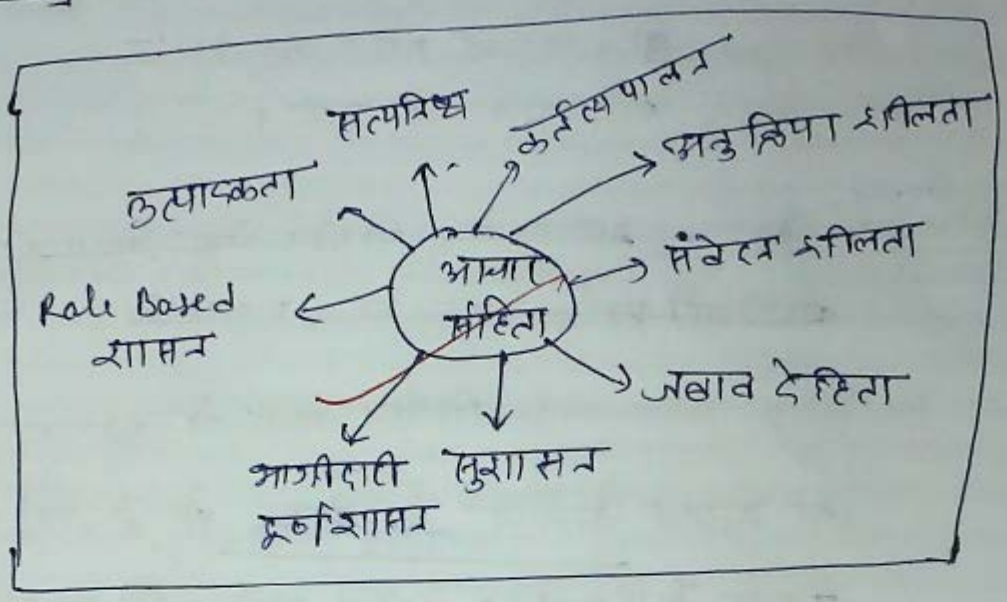

इस तरह से भारत में होटा समिति, बसावन समिति तथा 2nd ARC ने सिविल सेवा में आचार संहिता को लागू करके उचित परिवर्तन लाने का सुझाव दिया देते है

4.5/10

विषयवस्तु के स्तर पर समझ अच्छी है।

(3) दृष्टिकोण → ① - औद्योगीकरण व उपनिवेशीकरण क्या है
② - इन दोनो ने ब्रिटिश वर्चस्व को कैसे स्थापित किया
③ - इनका विश्व में प्रभाव (सकारात्मक, नकारात्मक)
④ - निष्कर्ष ।

→ औद्योगीकरण तथा उपनिवेशीकरण दुनिया में वाणिज्यिक पूंजीवाद तथा औद्योगिक पूंजीवाद को लागू करने के उद्देश्य से सिद्धांत लाया गया।

औद्योगीकरण ब्रिटेन में 1750 ई० के आसपास मशीनों के द्वारा बड़े पैमाने के उत्पादन को कहते हैं। जिसमें सूती वस्त्र उद्योग अग्रणी था।

इसने बाजार की मांग तथा कच्चे मांल की जरूरत के लिए उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया।

ब्रिटिश वर्चस्व

└ ① - इसने ब्रिटेन औद्योगिक वस्तुओं के उत्पादन में अग्रणी हो गया।
② - इसने ब्रिटेन में अतिरिक्त पूंजी का निर्माण किया।
③ - मशीनों द्वारा सस्ते उत्पाद बनने से ब्रिटेन के उत्पाद विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धी हो गये।

④ - अतिरिक्त उत्पादन को बेचने हेतु बाजार की जरूरत।

⑤ - इससे सरकार का सहयोग, जिससे उपनिवेशीकरण को बढ़ावा दिया।

प्रभाव → सकारात्मक →

① - सस्ते उत्पाद प्राप्त

② - अतिरिक्त पूंजी का निर्माण

③ - Ease of living

④ सरकार के पास राजस्व अधिशेष

⑤ - विश्व पर ब्रिटेन का वर्चस्व

नकारात्मक → ① - उपनिवेशों का शोषण

② - कामगारों मजदूरों की निम्न दशा

③ - ब्रिटेन में औसत आयु घट गई।

④ - व्यापक प्रदूषण (स्मॉग उत्पन्न करी)

⑤ - शोषण वादी व्यापार चक्र का निर्माण।

औपनिवेशिक देशों में कुटीर-उद्योग धन्धों का विनाश।

4.5/10

विषयवस्तु के स्तर पर प्रयास ठीक है।

थॉमस हार्डी ने अपने उपन्यास हार्डीथॉमस में ब्रिटेन की इस नारकीय व्यवस्था का उल्लेख करते हैं, जिसने कुछ पूंजीपतियों के लाभ के चक्कर में मजदूरों का उपनिवेशों के रक्त का शोषण किया।

④. ① वामपंथी उग्रवाद क्या है /
②. इनका प्रसार।
③- आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा।
④- समाधान हेतु सरकार द्वारा उपाय।

→ वामपंथी विचारधारा से प्रेरित होकर शासन सत्ता में सर्वहारा के शासन के लिए उग्रवाद का तरीका अपनाने का यह कार्यक्रम है → आंदोलन

2006 में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इसे भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया था।

→ यह दण्डकारण्य, छोटानागपुर पठार, बिहार के कुछ जिले, पूर्वी U.P. महाराष्ट्र तथा तेलगांना व आंध्रप्रदेश का फैला हुआ था

सबसे बड़ा खतरा → ①- यह एक समय 2006 जिलो में फैला
②- अवैध हथियार
③- ड्रग्स व्यापार
④ तस्करी
⑤- सुरक्षा के लिए खतरा
⑥- शासन को अस्थिर करता

उपाय → SAMADHAN

② - आपरेशन ग्रेहाउंड
③ - तल्वा जुडूम
④ - स्थानीय गुप्तचर
⑤ - विकास कार्य
- सड़क
- बिजली
- पानी
- रोजगार
- स्कूल
- अस्पताल

⑥ - कृषि विकास
⑦ - MFP
⑧ - वन धन

05/10

इस तरह से सरकार इस उग्रवाद से निपट रही है

विषयवस्तु के स्तर पर समझ अच्छी है।
सूक्ष्म त्रुटियों पर ध्यान दें।